मन मथन

मन मथन

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

MAN MATHAN (मन मथन)
Anthology of Maithili Verse by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-88811-47-7
दाम: 150/- (भा.रु.)

दोसर संस्करण: 2023 (पहिल संस्करण: 2020)

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

काव्य-क्रम

संग जिनगी खेल होइत एलैए

आइये नहि, सबदिने सबदिन
जिगनीक खेलबाड़ होइत एलैए।
केतौ जाति-जतियारे तँ केतौ
धर्म-सम्प्रदाय धड़ैत एलैए।
भेदक भेदिया भेद भेदि
दानव-मानव लुटैत एलैए।
केतौ धन धर्म कहि तँ केतौ
धन-धर्मात्मा बनैत एलैए।
इज्जतकेँ धन धर्म कहि
धर्म इज्जत लुटैत एलैए।
संग जिनगी खेल होइत एलैए।

बीचमानि बनि मनुक्ख मानव
रोड़ा-रोड़ी अँटकबैत एलैए।
धर्मसूत्र-कर्मसूत्र कहि केतौ
सूत्रसमाज बगहारि एलैए।
देह केतौ देही केतौ कहि
शरीर-शरीरी भेदैत एलैए।
गीत-गीता गाबि-गाबि
करम-धरम चितकारि एलैए।
जिनगी संग खेल होइत एलैए।

रचि दुनियाँ बुधि बुधियार
नियामक दुनियाँ बनैत एलैए।
समाज सुधारक कहि केतौ
निरमाता समाज कहैत एलैए।
जे गर जेतए गर पकड़लक
गर पकैड़ गरियबैत एलैए।
भाषा-भाषीक वक्ता बनि-बनि
सुनताकेँ सुनबैत एलैए।
जिनगी संग खेलैत एलैए।

असंख्य कोटि जीब जीवात्मा
दुनियाँ बीच बसैत एलैए।
डाक-डकि मानव मानवकेँ
कृपा-कृपालुक भेटैत एलैए।
अपने ऑखिये सभ किछु देखै
नजैर-नजराना दैत एलैए।
मानव-दानव जानब मनकेँ
मन मानब मथैत एलैए।
खेल जिनगीक रचैत एलैए। ❑

नजैर कहाँ बदलल

संगे-संग दुनू संगी
संग मिलि खेलाइत एलौं।
विचार बीच घुप धुपा
मने-मन धुपधुपाइत रहलौं।
नइ देखि पेलौं एक-दोसरकेँ
मन मरजी मक-मकाइत एलौं।
गइया-महींसिया संग मिलि
आम-पीपर पात चलाइत एलौं।
आम-पीपर...।

जुगक-जुग जहिना परशासन
रचि-रचि इतिहास धड़ैत एलौं।
मन-मनतर मन मनुज
संग-संग दुनू संगी
गुल-गुलाम कहाइत एलौं।
संगे-संग दुनू संगी
गुल-गुलाम कहाइत एलौं।
सपनोमे कहियो ने देखल
अज-आजादी बुझि कहाँ पेलौं।
अज-आजादी...।

दिनक दिन, रातिक राति
भेद-कुभेद बिचड़ए लगलौं।

जेहेन जेकर ऑंट-पेट
से तेहेन कहाइत एलौं।
गामे बीच गौंआॅं बनि-बनि
सर-समाज कहाइत एलौं।
ने गौंआॅंरी ने समाजी
गाम बीच समाइत एलौं।
गाम बीच...।

समाज-समाज बीच समाज
ले-ऊँच, ऊँच-ले बनैत एलौं।
जहिना ले-ऊँच मन फोरि
तहिना ऊँच-ले बनैत गेलौं।
घटिया घटि घटिया-घटिया
घटिया-घाट पहुँच गेलौं।
की बढ़िया की बढ़बारि
अखनो धरि कहाँ बुझि पेलौं।
अखनो धरि...।

एक नजरिया नीति सुनि
सदिखन मन फुलाइत रहैए
नीतिक रीति रीतु वसन्त
धुर-धुरखेल खेलाइत रहैए।
एहनो तँ सम्भवे-सम्भव
नजैर-नजैर पेब पकैड़िते
फूल-फड़ लग लगैए।

जुग बदलल जमाना बदलल
विद्वान बनि मूर्ख बदलल।
मन बीच धन बदलल।
धनिक बीच गरीब बदलल।
सभ बदलल किछु ने बदलल
एक नजरिया नजैर कहाँ बदलल।
की बदलल की अदलल
बहु नजरिया नजैर कहाँ बदलल।
बहु नजरिया कहाँ बदलल। ❑

देखि टराटक पड़ल रहै छी

आनक-आनकैँ की कहबै
अप्पन-अपने देखैत रहै छी
समाजक बीच समाज रहितो
थाह कहाँ थहि थाहि पबै छी।
कखनो समाजोसँ सम्पन्न समाज
सुरसा सन मुँह देखैत रहै छी।
कखनो कौछोसँ कपचल
बिनु मुहेँक समाज देखैत रहै छी।
देखि टराटक पड़ल रहै छी।
देखि टराटक...।

साँझ-भोर रामायण वचन
अयोध्या समाज सुनैत रहै छी
राम-लखन भैयारी सुनि
अपन भैयारी देखैत रहै छी।
धने-सम्पैत पैत्रिक पुण्य कृत्ति
भाइपन भैयारी देखैत रहै छी।
भाए-भैयारी महींसिक सिंग
सम्बन्ध भाइपन निमाहैत रहै छी।
देखि टराटक पड़ल रहै छी।
देखि टराटक...।

जा अयोध्या चास-बास नहि
लंक लइत पड़ाइत रहै छी।
दशरथ सुत राम कहि-सुनि
पिता-पुत्र प्रतिवाद देखै छी।
कनमा-पौआ सम्पैत तौल-तौल
पेंशन पिता बटमारि करै छी।
घरक अगुआर-पछुआर अगुआ
कोने-कान मिलबैत रहै छी।
देखि टराटक पड़ल रहै छी।
देखि टराटक...।

बनि लंका अयोध्या करवनो
भाय विभीषण जाप करै छी।
लगले रावण लंका कहि-कहि
निशिचरक बसोबास देखै छी।
अलंकार शास्त्रो कि शास्त्र नहि
'रा', राम-रावण बनैत देखै छी।
कहले-कहली ने सभ होइए
देखि-सुनि भरमाइत रहै छी।
देखि टराटक पड़ल रहै छी।
देखि टराटक...। ❑

माइक माइपन

सासु-पुतोहुक बीच रग्गड़
इतिहास-पुराण कहैत एलैए।
तेतबे टा किए कहबै
परिवारो-समाज मचैत एलैए।
यज्ञ जिनगी जगबैले सभदिन
धड़-घर्षण जिनगी होइत एलैए।
सासुक-पुतोहु, पुतोहुक सासु
सीमा-सीमी संघबैत एलैए।
तँए कि सम्बन्ध बीच सम्बन्धन
जड़ि-मूल निर्मूल भेलैए।

सभ दिन मातृ-पितृ समाज
बेटा-पुतोहु गढ़ैत एलैए।
अप्पन मढ़ल-गढ़ल बेटी
दुनियाँ दान करैत एलैए।
आनक सिरजल सिरजन बेटी
पत्नी-पुतोहु बनबैत एलैए।
पतिक राज रजिया बेगम बनि
अप्पन बुधिये प्रयोगैत एलैए।
दनैत बेटी मनैत पुत-पुतोहु

सीमी-सीमा बनैत एलैए।
केतौ परिवेश तँ केतौ बेवहार
गामक-गाम बँटाइत एलैए।
घरक बेटी निकैल गामसँ
सुआस-सुआसीन बनैत एलैए।
आश्रय समाज, माए-बाप पेब
लुरि-बुधि अपन सेबैत एलैए।
सासु-ससुरक रचल-बसल
परिवार पुतोहुक कहैत एलैए।
केतौ बेटा-पुतोहु तँ पुतोहुबेट कहि
उलट-फेड़, फेड़-उलट होइत एलैए।

गामक संग समाज बदैल बीच
गामवाली बदैल गामवाली बनैए
अतीतक माए वर्त्तमान सासु बनि
बेटीए ने माइयो बनैत एलैए।
सती-सावित्रीक पतिपन कहि
बेटा श्रवणकुमार देखबैत एलैए।
पतिपनक निमरजना करैत सीता,
मित्र-विश्वाकेँ कौशल कौशल्या
भाइपन लखन, पुतपन दशरथ
माइपन कौशल्या, पटरानी कैकइकेँ
सिख-सिखा सिखबैत एलैए। ❑

इच्छा : 1

इच्छित फल गढ़ैत मनक इच्छा
मन-मथानी मोहैत एलैए।
मथनीकेँ धनुषी गढ़ि-गढ़ि
धनुषी मथनी बनैत एलैए।
एक धनुष राम-लखन पकैड़
रावण-वध करैत एलैए।
दोसर धनुष कृष्ण त्यागि
दर्शन-सुदर्शन चलैत एलैए।
बुद्ध-महावीर जैन कहि-कहि
गीता-सुगीता गबैत एलैए।
जोलहा-धुनियाँ कहि कबीर
तानी-भरनी रचैत एलैए।
तानी भरनी रचैत एलैए।

फल इच्छित मन गढ़ि-गढ़ि
भोगी-जोगी बनैत एलैए।
भोगे-भोग, जोगे-जोग
धेनु-धार बहबैत एलैए।
धारक-धार धन धनुआँ
भोग-लील पसरैत एलैए।

धनक-धर्म धन-धन कहि
इच्छित फल पबैत एलैए।
रूप-अप्पन इच्छा देखि-देखि
मने-मन तरसैत एलैए।
तरैस-तरैस, तरासि-तरासि
इच्छा मन ललकारि रहल छै।
मन इच्छा ललकारि रहल छै।

शक्तिहीन इच्छा होइत ओहने
जहिना बाँझ गाछ कहबै छै।
बाँझ कहू कि फूल फुलहना
फुलहैर-फुलहैर झरैत रहै छै।
जे मनमे प्रणपन अप्पन
सएह मन कल्प-सकल्प करै छै।
संकल्प संग संकलपित शक्ति
इच्छाशक्ति सेहो पबै छै।
पबिते शक्ति सकता-सकता
फल-इच्छा दैत-लैत कहै छै।
फल इच्छा दैत-लैत कहै छै। ❑

इच्छा : 2

इच्छुक-इच्छित इच्छा बनि-बनि
मन मानव मोहैत एलैए।
मोहक मोहैन मोहि-मोहि
नीक-अधला मन बनैत एलैए।
कोण-धार पकैड़ इच्छित इच्छा
धार-धारा मन बनैत एलैए।
झील, सरोवर पर्वत चढ़ि-चढ़ि
पयोनिधि-पर्वत सिरजैत एलैए
अप्पन-अप्पन सीम-सीमा गढ़ि
पर्वत बीच सागर कहबैत एलैए।
पवैत बीच...।

सुख-दुखक कारण दुनू
अकार-सकार रूप गढ़ैत एलैए।
सकार-स्वीकारि अकार अकारि इच्छ
दुनियाँ बीच मरमाइत एलैए।
दृष्टिमान दुनियाँ देखि-देखि
इच्छित-इच्छा जगैत एलैए।
फल इच्छित तन-मन तनमना
सुख सुखिया सुखाइत एलैए।
पेब आन आनन आन

सुख इच्छा रम-रमैत एलैए।
सुख इच्छा...।

तनेक इच्छा मनेक मारि-मारि
आनन मन हनहनाइत एलैए।
क्षण-सुख अन-आनन पेब
आनन असीम भरमाइत एलैए।
अन्तर पूज दोस नहि दूज
अवस्था ईश्वर बिसराइत एलैए।
इच्छा मानव मोहैन मोहि-मोहि
अवस्था मानव सिरजैत एलैए।
ईश्वर-मानव अवस्था बनि-बनि
अन्तर दृष्टि देखबैत एलैए।
अन्तर दृष्टि...।

रूप अप्पन गढ़ि-मढ़ि इच्छा
शक्ति इच्छा भर-भरैत एलैए।
बांछित मन तन बांछित कहि
बांछित फल वृक्ष देखैत एलैए।
जहिना पर्वत-वृक्ष प्रकृति सिरजै
तहिना मन-मानव रोपैत एलैए।
रंग-रंग वृक्ष रंग-रंग इच्छा
पात-फूल-फल दैत एलैए।
पात-फूल-फल दैत एलैए। ❑

मन मथनी

मन मथनी चलैसँ पहिने
कूल-गुरु बाट धड़ए पड़ै छै।
गुरु गर्भ गर्भ गरभिते
मन-मथनी चलए लगै छै।

चलिते मन मथि-मथि मथनी
दुनियाँ बीच भ्रमए लगै छै।
भीतर-बाहर देखि दुनियाँ
दोहरी दुनियाँ देखए लगै छै।

आँखि अपन ताबे धरि
दिस एक दिशाह देखैत रहै छै।
दोख ओकर मिसियो रत्ती नहि
मन मथनी कहैत रहै छै।

धरम धारण करैत धरमात्मा
अपन तड़ी-घटी बुझए लगै छै।
देहक एक अलंग बसल आँखि
एकभग्गू दुनियाँ देखए लगै छै।

जेम्हरे तकबै तेम्हरे देखबै
आन-आन खेल थोड़े देखबै।

पछुआ पकैड़-पकैड़ खेलाड़ी
जुआ पकड़ल आगू देखबै।

मन-मन्तर देखि-देखि मन
मथनी मन-मन कहैत रहै छै।
शरीर संसारिक संग-संग
अशरीरी संसार गढ़ैत कहै छै। ❑

केकरा कहब नवदिन सगुन?

मीत, केकरा कहब नवदिन सगुन?
सगुन-सगुन सन्धि सतगुण जहिना
सुरंग-सुगन्ध राग तानि कहै छै।
अगुण-सगुण संग सेहो तहिना
आबि-आबि अवगुण सेहो भरै छै।
सगुण-अगुण बीच अगुण-सगुण
हंस हँसि ही हियासि कहै छै।
सगुण-अगुण, अगुण-सगुण बीच
ठेसिया ठठि एक-दूज कहै छै।
मीत यौ, ठेसिया ठठि एक-दूज कहै छै।

जिनगीमे केना उतैर-उतैर
एक-दोसर ठेलम-ठेल करै छै।
कहियो अगुण तँ सगुण कहियो
ठेल-ठेलिया एक-दूज कहै छै।
समैयक हीर-धीर जे पकड़ैत
घर गिरथानि बनि से कहै छै।
तँए कि जे हीर-धीर नइ पकड़ै
महतमानि मानि नइ कहै छै।
भयार यौ, महतमानि मानि नइ कहै छै।

हारि-जीत दुनू सह-सहोदर
हरल-हेरल जीत अबै छै।

जीतो-जीवन तहिना ने सभदिन
हेर-हेर हरि हहरैत रहै छै।
एकक कानब दोसराक हँसी
करूण-हास रसशास्त्र कहै छै।
निधि-करूणानिधि कहि-कहि
हास-हँसारत करैत रहै छै।
अपेछित, हास-हँसारत करैत रहै छै।

हास-परिहास बनि-बनि जखन
परिहास-हास कहबए लगै छै।
प्रीत-पीड़ प्रीतम पकैड़-पकैड़
प्रीतम-'प्रीत समदर्श देखै छै।
पहुँच-पहुँचते समदर्श दर्श
समदर्श बनि बन बाट चलै छै।
चलिते दमदर्श समदर्शी कहि
आनि-आनि आदर्श भरै छै।
मीत यौ, आनि-आन आदर्श भरै छै। ❑

अप्पन दिन कहिया औतै

बच्चेसँ आस लग-लगा
अप्पन आशा आस देखै छी।
आसक-आस लग-लगा
दुनियाँ दिस तकै छी।
देखि किरदानी दुनियाँ केर
के केकरा देखि कहतै।
मन्हुआ मन झखि-झाँकि
अनका अप्पन-अप्पन सुनौतै।
अनका अप्पन-अप्पन सुनौतै।
मीत यौ, अप्पन दिन कहिया घुरतै।

नइ अछि सम सम्पैत बीतो भरि
नइ अछि बीतो भरि चास
ज्ञान-विज्ञानक चरचे की
तखन केना पएब बिसवास।
सभ किछु धनेक बाट धरि
धैड़ धरि अकास चढ़ैए
धरती-अकास बीच बिचमानि
कुचैड़-कुचैड़ कहैए।
मने-मन मन केना मानतै

मीत यौ, अप्पन दिन कहिया औतै।

रंग-बिरंगक जल-जाल जलिया
घुमा-घुमा फेकैत रहैए।
इचना-पोठी फँसि-फँसि अपने
रोहु-भाकुर हँसि हास करैए।
अप्पन जान-पराण नइ देखि
आनक मान आनि कहैए
अप्पन मान-अपमान नहि बुझि
मान अप्पन घटबैत चलैए।
हँसारतक बाट गढ़ि-गढ़ि अपने
सम्मान केना तब पौतै।
पराण बिनु देहक गति जेहेन
तखन केना दिन औतै।
मीत यौ, अप्पन दिन कहिया औतै।
अपन दिन...। ❑

बलकस चास

बलकस चासमे उपजा जहिना
तहिना बलकसक फड़ फड़ैए।
बलहीन विचार सदिकाल
बलकुचाह बुधियार गढ़ैए।
बलहीन विचार पसैर जखने
समाज बलहीन बनए लगैए।
बलशाली समाज केना बनतै
सपनामे सपनाइत रहैए।

समरस चास बलकस केना
दौजी-मुनही उपजा दइए
नाँगर-लूल्ह समरस समाजो
नाँगर-लूल्ह बनैत चलैए।
बेकते परिवार, परिवार समाजे
सभ दिना गढ़ैत एलैए।
ढहल-ढुहल राजमहल जहिना
बसोबास कहाँ बनि पेलौ-ए।

बसोबास सपना देखैले
सुबास-बास बनबए पड़ै छै।

चसियाएल चासक चास जहिना
रूप धनमण्डल गढ़ए लगै छै।
सुभर-सुधर समाजो तहिना
सभ्य-संस्कृति गढ़ैत रहै छै।
मढ़िते-गढ़िते सभ्य-सभ्यता
सभ्य देशक समाज कहबै छै।
सभ्य देशक...।

मान अप्पन दुनियाँ पसैरते
चनिया चान चमकए लगै छै।
मानवकेँ केना मानब मानव
भेद-वेद बुझए लगै छै।
भेदे-वेद, वेदे भेद
राति-दिन चिचिया कहै छै।
पाथि कान सुन-सुनियो
मतसून-मनसून बनल रहै छै।
भाय यौ, मतसून मनसून बनल रहै छै।
मतसून मनसून...। ❑

अपनेपर हँसै छी

अपनेपर हँसै छी
मीत यौ, अपनेपर हँसै छी।
करवनो अपन कुकाज देखि
तँ करवनो अपन कुविचारपर
करवनो अपन कुकिरदानी देख
तँ करवनो अपन कुचारपर।
अपने मन हँसैए
अपने मन कहैए।
मने-मन मनाहियो करैए
अपने तैयो भँसियाइ छी
मीत यौ, अपनेपर हँसै छी।

जिनगीक धार बीचक जिनगी
धार जिनगी नहान करै छी।
आसन आस नहान बैस
जीवन-मृत्यु, मृत्यु-जीवन
मने-मन विचार करै छी।
कनहाक एक ऑंखि
बहिराक एक कान
नेंगड़ाक एक पएर

एक हाथ लूल्हा कहै छै।
मीत यौ, अपने बात बुझै छी
अपनेपर हँसै छी।

करवनो हास हहास बनि
तँ करवनो हहास हास बनै छी।
हास-हहासक बीच बिचमानि
हहास हास हँसैत रहै छी।
की कहब केकरा कहबै
मने-मन सम समाइ छी।
करू समरपन अपन अपने
मन अपने मनियाइ छी
मीत यौ, अपने मन भरियाइ छी।

जहिना अपनेपर हँसै छी
तहिना तँ कनबो करै छी
हँसनी-कननीए ने जिनगी
पार बेरा बहैत चलै छी
अपने देखि झखै छी
अपने-आप कहै छी
अपने-आप बुझै छी
मीत यौ, अपने-आप बुझै छी।

मीतक मीतगिरी,
दोसक दोसपना

यारक यारी
भजारक भजारी।
संगीक संगपना
संगनीक संग तहिना।
दिन-राति देखै छी
मीत यौ, दिन-राति देखै छी।

अपने-आप हँसै छी।
जहिना अपने-आप हँसै छी
तहिना आप-अपने कनै छी।
अपने देखि अपने झखै छी
अपनेसँ कहै छी
मीत यौ, अपनेसँ कहै छी।

करवनो हँसि-हँसि, कानि-कानि
तँ करवनो कननी हास हँसै छी
हँसि-हँसि, कानि-कानि करवनो
हँसनी कान कनै छी
मीत यौ, अपनेपर कनै छी।

की करबै, केकरा कहबै
अपने बेथे सभ बेथाएल।
नहियोँ कहबै, नाहियोँ सुनबै
जिनगी तब केना आएल।
जिनगिये जीबैले सभ

नाटकमे नाटक करैए।
नाटक बीच आनि कलाकारी
मंचेपर टाटक करैए।
देखि टाटक ट्राटक लगैए।
मने-मन मधुआइ छी
अपने देखि हँसै छी
संगी, संगे-संग हँसै छी। ❑

केकरा कहब नव दिन सगुन

भयार यौ, केकरा कहब नव दिन सगुन?
सगुन-सगुन सन्धि सतगुन जहिना
सुरंग-रंग राग कहै छै।
अगुन-अगुन संग सेहो तहिना
आबि-आबि अवगुन भरै छै।
सगुन-अगुन सन्धि अगुन-सगुन
हसिया हँसि हिय हियासि कहै छै।
अगुन-सगुन सन्धि सगुन-अगुन
सेहो ठेहिया ठठि कहै छै।
यार यौ, सेहो ठेसिया ठठि कहै छै।

जिनगीमे केना उतैर-उतैर
एक-दोसर ठेलम-ठेल करै छै।
कहियो अगुन सगुन कहियो
ठेल-ठेलिया एक-दून कहै छै।
समैयक हीर-धीर जे पकड़ै
गिरथानि घर बनि से कहै छै।
तँए कि जेकरा हीर-धीर नइ भेटै
महतमानि मानि नइ कहै छै।
भलेँ गिरथानि महतमानि पोल-पोलि
बहिना-बहिन बनए लगै छै।

भयार यौ, बहिना-बहिन बनै छै।
हारि-जीत दुनू सह-सहोदर
हारल-जीतल भेद पबै छै।
तहिना ने जीतो जीवन
हरि-हरि हरिहर कहै छै।
एक कानि दोसर हँसा
बिपटा-जोकर जोक करै छै।
करूणानिधि करूण पसारि-पसारि
उसारि-उसारि उसार धड़ै छै।
कियो उसैर कियो उसरागा
दान-पुन करैत चलै छै।
यार यौ, दान-पुन करैत चलै छै।

हास-परिहास बन बन बनिते
परिहास हास हँसए लगै छै।
पर-पीर प्रीत प्रीतम पकैड़
प्रीतम-प्रीत समदर्श देखै छै।
पबिते समदर्श मन मन मन्हुआ
संग-संग समदर्श चलए लगै छै।
दर्शन घर्षण परसन देखि
परसनिहार सिर चढ़ि कहै छै।
करनी-धरणी अप्पन होइए
देखि-देखि दुनियाँ कहै छै।
मीत यौ, देखि-देखि दुनियाँ कहै छै। ❑

बन्ध-बन्धन

सासु-पुतोहुक बीच बन्ध-बन्धन
माए-बेटीक बीच बनल सम्बन्ध
सभ मानै, सभ जानै सभकियो
फेर केहेन आजुक सम्बन्ध।
धीरे-धीरे सभ किछु बढ़इ
धरम-अधरम सेहो बढ़ै छै।
समाजक संग मनुखोक बीच
सभ दिन बन्ध-बन्धन करै छै।
सभ दिन...।

ऊपरे-ऊपर बेकता-बेकती
परिवार-समाज भीतर गढ़ै छै।
अजीव खेल प्रकृतियोक अछि
साहिल-जाहिल लोक गढ़ै छै।
जेहेन प्रकृति बीच प्राकैत
मनुखो तहिना परिकैत चलै छै।
जेहेन मनुखक चालि-वाणि
तेहने मन निरमैत चलै छै।

परिवार निरमाबै छै परिवारजन
बेक्त निरमै छै कर्म विचार।

समाज निरमै छै जन विचारसँ
समाजिकता निरमै छै संस्कृत विचार।
सभ दिन होइत रहल छै
सभ दिन देखि रहल छै
सभ दिन जोग-भोग रचि-बिरैच
भूत-भविस दौड़-दौड़ देखै छै।

जीवन-मृत्युक रेख गढ़ि-गढ़ि
रेखागणित निरमैत चलै छै
कहियो कुभाग-सुभाग कहि
तँ कहियो सुभाग कहैत रहै छै।
सभ खेल मनुखे निरमै
मनुखे-मनुख खेलैत रहै छै
केकरो कमाएल भोगि कियो
तँ कियो केकरो खून पीबैत रहै छै।

आजुक परिवेशक बनल मनुख
अर्थजाल बीच बिचड़ैत विचार
लीन-हीन विचारि रहल छै।
जहिना सभ दिन मनुख बाढ़ि
तहिना सभ दिन रौदियाइत रहै छै।
लाख-मृत्यु सबा लाख जन्म
भेद-वेद बुझबैत रहै छै।
भेद-वेद बुझबैत रहै छै।
भेद-वेद...। ❑

नँगरकट घोड़ा

यज्ञ सजल यज्ञभूमि
पहुँचल रंग-बिरंगक घोड़।
जेहने रंग पानिओ तेहने
एक-दोसर बीच केलक होड़।

हिनहिना-हिनहिना सभ डाकए
जीतब बाजी ऐ भूमिक।
बनि तीन अगुआ-अगुआ
लीअ भजारि ऐ शक्तिक।

फटैक फटकारि एक-दोसरकेँ
मुँह मारि निकालू बात।
अनसोहांत जखने झमकब
धक्का दऽ, कऽ देब कात।

फुसि बजैक अभ्यास पूर्वक
सभ दिन सिखलक गर लगा।
बेर पाबि बिहुसि बजैए
अछि चढ़ल खुमारि निशाँ।

शीतल सिहकी सजि सिहकए
जुनि अलिसा करू विश्राम।
चलए दियौ संग मिलि दुनूकेँ
बहए दियौ देहक सभ घाम।

नै बुझलक सुतल आकि जागल
गमा चुकल पहिने दुनू सींग।
ठूठ नाँगैर ठिठुरए लगलै
सुआस पाबि भेल तल्लीन।

सीमा-सरहदकेँ बिनु बुझने
तड़ैक-तड़ैक तड़कए लगल।
बेहोश भऽ जखने खसल
नँगरकट घोड़ा कहए लगल। ❑

गीत

मुहसँ बोल कन्ना कऽ फुटतै
दरदसँ दरदराएल छै।
टीससँ टहकै छै छाती
लहि-लहि लटुआएल छै।
मुहसँ बोल कन्ना...।

आशाक सभ आस मेटलै
बाटे सभ धेराएल छै।
केकरो कहने किछु ने भेटत
अपने बेथे सभ बेथाएल छै।
मुहसँ बोल कन्ना...।

चोटसँ चोटाएल छै मन
ढहि-ढहि ढनमनाएल छै।
तैयो हँसि-हँसि नाचए-गाबए
राति-दिन बड़बड़ाइ छै।
मुहसँ बोल कन्ना...। ❑

फुलबतिया

फूल देखि फुलाइत जेना
मालिक दल-दल फुलवाड़ी
तहिना देखि फुलबतिया
जुड़ाइत पिताक तहानी बखारी।

आशा आस उदित अँकुर
सुरकुनियाँ दऽ दिन-राति चलए
फड़ देखि-देखि तहिना जिनगी
सुख-सन्तोष सहैज धरए।

करए समर्पण फूल जहिना
प्रेम प्रेमीक जीवन बाट
देखि प्रेमिक प्रेम तहिना
बिहुसए सदए सलिल सरोवर घाट।

प्रेमी प्रेमिकाक बीच सदए
जीवन धार बहैत एलैए
चान सूर्ज बीच सदए तहिना
क्षण-पल संग क्षणमनाइत एलैए।

तपल जिनगीक तापसँ
तियाग उछैल कुदैत चलैए

दुनियाँक रंगमंचपर
लीला सदि देखबैत चलैए।

लीला-शीला बनि जखन
शीलवान कहैत एलैए
बिनु शीला लीला ओहने
शील-हीन कहैत एलैए। ❑

करैलाक फूल

दिन भरि बैशाख जेठक
अगियाएल रौद जरि कोढ़ि करैला।
कोनो फड़ ऊपर, कोनो बिनु फड़े
डुमिते किरिण भेल अकरैल।

पीड़ासँ पीड़ित भऽ भऽ
पीअर वस्त्र पहीरि चमकैए।
सी-सी सिहकीक संग पेब
मुस्की दऽ दऽ मधु रस छीटैए।

माटि ऊपर छीड़ि-छिड़िया लत्ती
जिनगीक संघर्ष करैत चलैए।
अपन जान बीच बँचि बचा
फुगन्ध संग फड़ो पसरैए।

बिनु सेवाक जिनगीए की
जरैत-मरैत ओ जनैत रहैए।
तीत सुआद हिस्सो पेब
सेवाक गुण-धरम कहैए।

अकास चढ़ि बिहुसि-बिहुसि
अगड़ाइत-मगड़ाइत बजैत रहैए।

सुनू मीत, कनी हमरो सुनू
मधुक प्रेमीकेँ मधुमाछी कहैए। ❑

गिरहकट्टा

घाट सिमरिया नहाए गेलौं
बुझि गेल केना गिरहकट्टा।
पाछू बुझलौं गिरहकट्टा छलए
आँचरक पाइ लेलक जनिपिट्टा।

जहिना कुसियारक गिरहपर सँ
काटि-काटि मीठक पोर पकैड़।
तहिना गिरोह बान्हि गिरहकट्ट सभ
करैत दिन-राति, साँझकेँ भोर।

जेतए जाएब तेतए देखब
गिरह बान्हि-बान्हि जाल बनल छै।
बैसल-बैसल गिरहकट्ट सभ
जाल पसारि जलवाह बनल छै।

जिनगीक कोनो कोण नै
गिरहकट्टसँ छुटल बँचल।
एहेन विकट समयमे केना
जिनगी अप्पन रहत बँचल।

नव-नव जाल बना-बना
मकड़जाल पसारि रहल छै।

दिनक-दिन, रातिक-राति
सत्-लोक मर्तलोक बना रहल छै।
सत्-लोक मृत्युलोक बना रहल छै। ❑

पैछला गणित

आइसँ गणित पढ़ए जाइ छी
अहूँ किछु सिखा दिअ भाय।
घरसँ निकैल ने स्कूल जेबै
घरक गणित बुझा दिअ भाय।

तूँ भैयारी नै सहोदर छह
झूठ नै बाजब तोरासँ।
गणित तँ हमहूँ पढ़ने छी
लाभ केते हेतह हमरासँ।
धूर-कट्ठा, बीघा पढ़ने छी
पढ़ने छी सेर-पसेरी।
कनमा-पौआ, बोरा पढ़ने
चौअन्नी-अठन्नी आरो भड़ी।

आब कहाँ चरचा चलै छै
ऐ सभ हिसाबक बौआ।
तखन केना मेल बैसत
बुझा दाए तोहीं बौआ।

एक चलैए शहर-बजार
दोसर, गाम-देहात चलैए।

दुनूक गोरा एकठाम नहि
फेर केना संग दुनू चलैए।

अपन गणित अपने मन
सीख-सीख मन बनाबह।
केकरो गणित केकरो ने
बुझि विचारि विचार निरमाबह।
बुझि विचारि विचार निरमाबह। ❑

कॉमन सेन्स

बाबूजी, कॉमन सेन्स केकरा कहै छै
फड़िया कऽ सिखा दिअ।
आइये स्कूलमे सीखलौं
परिवारोमे कनी बुझा दिअ।

घुसकबैत मुस्की घुसका पिता
चारि मोतीकेँ आठ बनौलैन।
ने अद्दी-गुद्दी आ ने अजोह
मुस्कियाइत गुरु मुँह खोललैन।
जिज्ञासासँ मुँह मन उठि
लोलक-बोल सुनए चाहलौं।
जहिना लोलमे बोर पड़ै छै
तहिना अजोध शब्द सुनए लगलौं।

झपैस पिता जिज्ञासा देखि-देखि
बरसौलैन शीतल धरा धार।
कॉमन सेन्ससँ पकैड़
अजोधक लगौलैन घाट-पार।
एक पुत्र जनमै बीस बर्खमे
क्रमश: जनमै अन्त पचास।

की दुनूक बीच दूरियो हेतै
अही प्रश्नमे हेबह पास।
अही प्रश्नमे हेबह पास। ❑

चास-बास

बिनु बसल-बसाएल बैस
बनिते घर घरबास बनै छै।
चासे बास बासे बस्ती
हँसियो-कानि कहबे करै छै।
हँसियो-कानि... ।

जेहेन गाम तेहेन गमबासू
उइठ-बइस गत-मति पबै छै।
नव चास बास-रास
नवनीत रूप बनबए लगै छै।
नवनीत रूप... ।

जेहेन नीति तेहने ने नवनीतो
नव सकल-सूरत गढ़ै छै।
गढ़िते-मढ़िते, मढ़िते गढ़िते
नव-नव सिरजन सिर चढ़ै छै।
नव-नव सिरजन... ।

बाड़ी-फुलबाड़ीक बीच जहिना
नव रंग सिरजन फूल सजै छै।

समाजोक बीच तहिना समाज
गामक बीच गाम सेहो बसै छै।
गामक बीच गाम... ।

गामक बीच गाम समाजो बसि-कहि
बास-बासीक बनबए लगै छै।
जेहने मुँह तेहने मुँह बानियो
मुँहक बानि देखबए लगै छै।
मुँहक बानि देखबए... ।

जेहने बानि तेहने ने वाणो
वीणा-वाण कहबए लगै छै।
कियो रामवाण, कियो कृष्णवाण
कियो मानव-वाण पकड़ए लगै छै।
कियो मानव वाण... ।

पकड़िते वान समाज बीच
कोनो-कान देखए लगै छै।
बिचैड़-बिचैड़ बिचड़ैत विचार
धार समाज कहबए लगै छै।
धार समाज... ।

खेतक जहिना आड़ि-कोण
तहिना कोणे-कान समाज बनै छै।
कोणे-कानी, कानी कोणे

शुभ-अशुभ समाज देखवए लगै छै।
शुभ-अशुभ समाज देखवए...।

चास-बास बन-वासी बनि
बासी-बनवासी कहबए लगै छै।
बनि वनबासी बनवास बीच
रसाएल मन रिसिया कहै छै।
रसाएल मन रिसिया...।

द्रष्टा, स्रष्टा, सृष्ठिता अपने
अपन मन बुझैत कहै छै।
बुझैत मन बिसवास संग
अपन परिचय स्वयं कहै छै।
अपन परिचय...। ❑

ढहल गाम

ढहल-ढनमनाएल गाम देखिते
अपनो मन ढहए लगल।
ढहि-ढहि, ढेरिया-ढेरिया
ढेरक ढेरी लगए लगल।
ढेरक ढेरी...।

जेम्हरे देखी तेम्हरे ढेरी
देखि मन ढहिया लगल।
की करब केकरा कहब इष्ट-मित्र
मीते-मीत मतिया लगल।
मिते मीत मतिया...।

अपनो मन मतिया-मतिया
मतल मन मतिया लगल
मतिते मन मोड़ पकैड़
गतिया-गति गरैज गरजल।
गतिया-गति...।

केतो मन भूख, केतो तन भूख
केतो पियासल पनि कहैए

पढ़-लिखबक कि गतिये कहब
अपन बीरान देखि-देखि कहैए
अपन बीरान... ।

जेहने लोक तेहने ने लोकवासो
सिर चढ़ि सिर-मोड़ कहैए
गामे-गाम, समाजे समाज
समाजे देश सेहो कहबैए ।
समाजे देश... ।

देशक बेस धरतीक धरणी
पानि-पताल पनैप कहैए
पानियेँ पताल अकासो पानियेँ
ऊपर-निच्चाँ बहैत चलैए ।
ऊपर-निच्चाँ बहैत... । ❑

सघन वन

सघन वन बीच पहुँचैत पथिक
पथ-प्रदर्शन करए लगै छै।
अपन पथ अपन मन मनबैत
अपन ढंग जिनगी बनबए लगै छै।
अपन ढंग जिनगी...।

अपन ढंग अपन मन बैसते
संकल्प-विकल्प बिचड़ए लगै छै।
जे जेहेन संकल्पित से तेहेन
जीवन विकल्प निमहबए लगै छै।
जीवन विकल्प...।

जिनगीकेँ केना कहबै बड़-भारी
जीवन भार उठबैत चलै छै।
तँए कि जिनगी हल्लुक-फल्लुक
मनक मणि कहाँ मानि कहै छै?
मनक मणि कहाँ..?

बनि सघन सधि साधि जीवन
अमबर आस धड़ए लगै छै।

तहिना ने अम्बरो आस पकैड़ अबनि
अम्बर-अबनी मिल कहै छै।
अम्वर-अबनि...।

जबतक जीवन तबतक ई दुनियाँ
हँसि-हँसि जीवन जानि कहै छै।
किछु करितो किछु धरितो भाय यौ
नइ तँ जीवन सड़ि मरै छै।
नइ तँ जीवन...।

बागी बनि बगवार जहिना
बाग-बगीचा दान करै छै।
हँसैत जिनगी कनैतकैँ सेहो
कहकह कहि कहकहा कहै छै।
कहकह कहि...। ❑

मानब धारण धड़ैत एलैए

अद-आदि आदियेसँ आबि
वेद, वेदान्त भेद कहैत एलैए।
पूर्ण मानब मान मनु मन मति
धरण जीवन कह-कहैत एलैए।
धरण जीवन...।

छल-गबि मह महि-महि मथैन
मक्खन मन मानैत एलैए।
दूध-फूल जन जमि मक्खन मन
घृत धन बन मन बनैत एलैए।
घृत धन बन...।

पठ-पाठ पेग-पेग पग पकैड़
निरमन धन जीवन कहैत एलैए।
अप्पन करण-धरण धड़ि-धड़ि
रमत-जोग जोगी बनैत एलैए।
रमत-जोग जोगी...।

जन जग जोग जोगी कहि-सुनि
दूध-फूल बेड़बैत एलैए

दूध-मुँह कण-कण कान पकैड़
जन जीवन धरण धड़ैत एलैए।
जन-जीवन धरण धड़ैत एलैए।
जन-जीवन धरण... । ❑

‘पंगु’ उपन्यासक बाद जगदीश प्रसाद मण्डलजीक गद्य लेखन:

पंगु- (उपन्यास) लेखन तिथि: 11 मई 2018 सँ 6 जून 2018

749. ठका गेलौं- शब्द संख्या: 2052, तिथि: 18 जून 2018

750. हारि-जीत- शब्द संख्या: 3190, तिथि: 24 जून 2018

751. पनचैती पनपना गेल- शब्द संख्या: 1095, तिथि: 27 जून 2018

752. कुघाटक मृत्यु- शब्द संख्या: 1608, तिथि: 01 जुलाई 2018

753. एक तम्मा सिदहा- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 5 जुलाई 2018

754. कियो ने पुछैए- शब्द संख्या: 1584, तिथि: 9 जुलाई 2018

755. केकरो कियो ने- शब्द संख्या: 718, तिथि: 11 जुलाई 2018

756. गपक पियाहुल लोक- शब्द संख्या: 1420, तिथि: 13 जुलाई 2018

757. उदय-प्रलय- शब्द संख्या: 1574, तिथि: 15 जुलाई 2018

758. हमरा नीक नहि लगैए- शब्द संख्या: 1458, तिथि: 19 जुलाई 2018

759. भारीपन भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1471, तिथि: 21 जुलाई 2018

760. मानसरोवरक यात्रा- शब्द संख्या: 2576, तिथि: 31 जुलाई 2018

761. करतब- शब्द संख्या: 2132, तिथि: 04 अगस्त 2018

762. आमक गाछी- एक : शब्द संख्या: 3068, तिथि: 10 अगस्त 2018

763. आमक गाछी- दू : शब्द संख्या: 3553, तिथि: 17 अगस्त 2018

764. आमक गाछी- तीन : शब्द संख्या: 2484, तिथि: 22 अगस्त 2018

765. आमक गाछी- चारि : शब्द संख्या: 2291, तिथि: 28 अगस्त 2018

766. आमक गाछी- पाँच : शब्द संख्या: 2185, तिथि: 02 सितम्बर 2018

767. आमक गाछी- छह : शब्द संख्या: 4701, चोरा चान 12 सितम्बर 2018

768. आमक गाछी- सात : शब्द संख्या: 1805, तिथि: 15 सितम्बर 2018

769. अनचोकक अन्हार- शब्द संख्या: 924, तिथि: 19 सितम्बर 2018

770. आमक गाछी, आठ- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 25 सितम्बर 2018

771. अपन बुधियारी अपने खेलक- शब्द संख्या: 1897, ति.: 23 सितम्बर 2018

772. आमक गाछी, नअ- शब्द संख्या: 1914, तिथि: 30 सितम्बर 2018

773. चटवाह- शब्द संख्या- 2134, तिथि: 4 अक्टूबर 2018

774. भगैतिया- शब्द संख्या: 2177, तिथि: 8 अक्टूबर 2018

775. अधमरू साँपक फुफकार- शब्द संख्या: 2196, तिथि: 12 अक्टूबर 2018

776. यादास्त- शब्द संख्या: 1870, तिथि: 15 अक्टूबर 2018

777. हमर मेला चोरि भS गेल- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 19 अक्टूबर 2018

778. गरदैन हलैल गेल- शब्द संख्या: 1922, तिथि: 23 अक्टूबर 2018

779. दिवालीक दीप- शब्द संख्या: 2422, तिथि: 29 अक्टूबर 2018

780. हारि केना मानब- शब्द संख्या: 2054, तिथि: 02 नवम्बर 2018

781. अप्पन गाम- शब्द संख्या: 1940, तिथि: 06 नवम्बर 2018

782. परिछन- शब्द संख्या: 2661, तिथि: 11 नवम्बर 2018

783. झूठ सपना- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 15 नवम्बर 2018

784. जिनगीक अन्तिम फल- शब्द संख्या: 2530, तिथि: 19 नवम्बर 2018

785. चरणबाबूक टैक्सी- शब्द संख्या: 2381, तिथि: 24 नवम्बर 2018

786. पुस्तकालय- शब्द संख्या: 2333, तिथि: 29 नवम्बर 2018

787. विचारभेद- शब्द संख्या: 2553, तिथि: 04 दिसम्बर 2018

788. एकरवा बानर- शब्द संख्या: 2793, तिथि: 09 दिसम्बर 2018

789. फकीरबा स्थान- शब्द संख्या: 2759, तिथि: 14 दिसम्बर 2018

790. रंगमे भंग- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 20 दिसम्बर 2018

791. खिलतोड़ भूमि- शब्द संख्या: 2590, तिथि: 17 जनवरी 2019

792. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह- श. 2590, ति. 22 जनवरी 2019

793. मटरक अजोह दाना- शब्द संख्या: 3473, तिथि: 03 फरवरी 2019

794. फुइसिक रग्गड़- शब्द संख्या: 2225, तिथि: 07 फरवरी 2019

795. उखमज- शब्द संख्या: 3964, तिथि: 16 फरवरी 2019

796. एकभग्गू बेटा- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 19 फरवरी 2019

797. अगुताइ भेल- शब्द संख्या: 1054, तिथि: 22 फरवरी 2019

798. थैंक्यू पापा- शब्द संख्या: 965, तिथि: 24 फरवरी 2019

799. किसुनपुराक हाट- शब्द संख्या: 995, तिथि: 25 फरवरी 2019

800. धनखेतीक बैगन- शब्द संख्या: 1051, तिथि: 28 फरवरी 2019

801. चितवनक शिकार- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 02 मार्च 2019

802. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं- शब्द संख्या: 1086, तिथि: 04 मार्च 2019

803. धुआ साड़ी- शब्द संख्या: 1132, तिथि: 06 मार्च 2019

804. राजरोग- शब्द संख्या: 1274, तिथि: 10 मार्च 2019

805. संकल्प- शब्द संख्या: 1520, तिथि: 12 मार्च 2019

806. एकटा नमहर दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 1349, तिथि: 15 मार्च 2019

807. काजक मोल- शब्द संख्या: 1090, तिथि: 16 मार्च 2019

808. एतए बसव कठिन अछि- शब्द संख्या: 1010, तिथि: 19 मार्च 2019

809. स्वनिर्मित जिनगी- शब्द संख्या: 1091, तिथि: 22 मार्च 2019

810. कपटलालक मृत्यु- शब्द संख्या: 987, तिथि: 25 मार्च 2019

811. गामक ढहल समाज- शब्द संख्या: 966, तिथि: 27 मार्च 2019

812. लजगर लोक- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 29 मार्च 2019

813. खरिहाँन उपैट गेल- शब्द संख्या: 1218, तिथि: 02 अप्रैल 2019

814. पगलपन- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 04 अप्रैल 2019

815. छलाननक सराध- शब्द संख्या: 996, तिथि: 06 अप्रैल 2019

816. छाती बज्जर केलौं- शब्द संख्या: 1402, तिथि: 08 अप्रैल 2019

817. नाँहकमे दोख- शब्द संख्या: 1463, तिथि: 16 अप्रैल 2019

818. सग्गा पिऔज- शब्द संख्या: 1530, तिथि: 20 अप्रैल 2019

819. गाछसँ नमहर फड़- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 22 अप्रैल 2019

820. जिनगीमे जान आएल- शब्द संख्या: 1198, तिथि: 25 अप्रैल 2019

821. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै- श.सं.: 1080, ति.: 26 अप्रैल 2019

822. चौरस खेतक चौरस उपज- शब्द संख्या: 998, तिथि: 29 अप्रैल 2019

823. सिकिया नेता- शब्द संख्या: 1023, तिथि: मजदूर दिवस, 2019

824. मुँह खुजिते नाक कटि गेल- शब्द संख्या: 1475, तिथि: 04 मई 2019

825. जेकरे भर तेकरे डर- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 06 मई 2019

826. ललियाएल चेहरा करियाएल मन- शब्द संख्या: 1194, तिथि: 09 मई 2019

827. पुरुखक भर- शब्द संख्या: 1109, तिथि: 12 मई 2019

828. भकमोड़मे पड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1411, तिथि: 15 मई 2019

829. अपन इमान मरि गेल- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 17 मई 2019

830. गामक रूप बदैल देब- शब्द संख्या: 1004, तिथि: 19 मई 2019

831. कुभेला- शब्द संख्या: 992, तिथि: 21 मई 2019

832. देखौंस- शब्द संख्या: 945, तिथि: 23 मई 2019

833. समयसँ पहिने चेत किसान- शब्द संख्या: 1326, तिथि: 25 मई 2019

834. काजक मेहपन- शब्द संख्या: 947, तिथि: 27 मई 2019

835. पनरह किलोक कदीमा- शब्द संख्या: 941, तिथि: 29 मई 2019

836. फेर नढ़रो बेल तर जेती- शब्द संख्या: 1553, तिथि: 01 जून 2019

837. काजक धुनि- शब्द संख्या: 1065, तिथि: 03 जून 2019

838. सोरहामे सुर्रा लगि गेल- शब्द संख्या: 1618, तिथि: 06 जून 2019

839. अगराही- शब्द संख्या: 944, तिथि: 08 जून 2019

840. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा- श.सं.: 1556, तिथि: 11 जून 2019

841. भौक- शब्द संख्या: 1403, तिथि: 14 जून 2019

842. मनतरक पावर- शब्द संख्या: 1598, तिथि: 17 जून 2019

843. हाल-चाल- शब्द संख्या: 1519, तिथि: 20 जून 2019

844. अधमरु साँपक डँस- शब्द संख्या: 1525, तिथि: 23 जून 2019

845. के मानत?- शब्द संख्या: 1721, तिथि: 29 जून 2019

846. दियादीक फेड़- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 03 जुलाई 2019
847. वाह रे आदत- शब्द संख्या: 1455, तिथि: 06 जुलाई 2019
848. कटबी सुइद- शब्द संख्या: 1435, तिथि: 09 जुलाई 2019
849. तिलकौआ छत्ता- शब्द संख्या: 1948, तिथि: 13 जुलाई 2019
850. अपने जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1539, तिथि: 16 जुलाई 2019
851. कलेश- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 20 जुलाई 2019
852. गामक आशा टुटि गेल- शब्द संख्या: 2338, तिथि: 24 जुलाई 2019
853. आब इज्जत नइ बँचत- शब्द संख्या: 2046, तिथि: 28 जुलाई 2019
854. अँगनाक बीरार- शब्द संख्या: 1856, तिथि: 31 जुलाई 2019
855. भेँट-घाँट- शब्द संख्या: 1884, तिथि: 03 अगस्त 2019
856. कोसा- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 07 अगस्त 2019
857. दहेजक गाए- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 15 अगस्त 2019
858. चलती- शब्द संख्या: 1770, तिथि: 18 अगस्त 2019
859. तीन बुड़िवान- शब्द संख्या: 1901, तिथि: 21 अगस्त 2019
860. एकाधिकारी जाति- शब्द संख्या: 2198, तिथि: 24 अगस्त 2019
861. अपन करखन्ना- शब्द संख्या: 1704, तिथि: 28 अगस्त 2019
862. लड़कपन- शब्द संख्या: 2150, तिथि: 03 अक्टूबर 2019
863. कुदृष्टि- शब्द संख्या: 2435, तिथि: 08 अक्टूबर 2019
864. हकार- शब्द संख्या: 2012, तिथि: 16 अक्टूबर 2019
865. दलखिच्चड़मे घी- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 25 अक्टूबर 2019
866. दोहरी दहार- शब्द संख्या: 2154, तिथि: 02 नवम्बर 2019
867. पसेनाक मोल- शब्द संख्या: 1748, तिथि: 06 नवम्बर 2019
868. बुढ़ापा- शब्द संख्या: 2122, तिथि: 10 नवम्बर 2019
869. पुरना घराड़ी- शब्द संख्या: 2092, तिथि: 14 नवम्बर 2019
870. जगरनथिया भोज- शब्द संख्या: 2416, तिथि: 18 नवम्बर 2019
871. कृषियोग- शब्द संख्या- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 22 नवम्बर 2019

872. काजक रोप- शब्द संख्या: 2679, तिथि: 21 दिसम्बर 2019

873. खटसमाद- शब्द संख्या: 2909, तिथि: 27 दिसम्बर 2019

874. जीबठपन- शब्द संख्या: 2577, तिथि: 02 जनवरी 2020

875. गोटी लाल- शब्द संख्या: 2364, तिथि: 06 जनवरी 2020

876. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह- शब्द संख्या: 2361, तिथि: 11 जनवरी 2020

877. दहेज- शब्द संख्या: 2431, तिथि: 15 जनवरी 2020

878. जेहेन मति तेहेन गति- शब्द संख्या: 2630, तिथि: 21 जनवरी 2020

879. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 2660, तिथि: 31 जनवरी 2020

880. अपन कर्तव्य आकि उपकार- शब्द संख्या: 2410, तिथि: 05 फरवरी 2020

881. जिनगी भौर भेलह हेन- शब्द संख्या: 2789, तिथि: 10 फरवरी 2020

882. वसन्त पंचमी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 16 फरवरी 2020

883. चुटका सुतरल- शब्द संख्या: 2445, तिथि: 21 फरवरी 2020

884. हारल चेहरा जीतल रूप- शब्द संख्या: 2255, तिथि: 25 फरवरी 2020

885. अग्नि परीछा- शब्द संख्या: 3097, तिथि: 01 मार्च 2020

886. आसीरवचन- शब्द संख्या: 2564, तिथि: 06 मार्च 2020

887. दहिबरी- शब्द संख्या: 2560, तिथि: 12 मार्च 2020

888. सघन बन- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 17 मार्च 2020

889. हुसैत लोक- शब्द संख्या: 2602, तिथि: 23 मार्च 2020

890. हुसि गेलौं- शब्द संख्या: 2574, तिथि: 28 मार्च 2020

891. झूठक झालि- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 01 अप्रैल 2020

892. दुष्टपन- शब्द संख्या: 2317, तिथि: 06 अप्रैल 2020

893. रहै जोकर परिवार- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 15 अप्रैल 2020

894. परिपक्व निरलज- शब्द संख्या: 2232, तिथि: 20 अप्रैल 2020

895. अप्पन काज अपने चिन्हू- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 24 अप्रैल 2020

896. लजाउ काज- शब्द संख्या: 2394, तिथि: 02 मई 2020

897. सुचिता- एक : शब्द संख्या: 4352, तिथि: 30 मई 2020

898. सुचिता- दू : शब्द संख्या: 4459, तिथि: 08 जून 2020

899. सुचिता- तीन : शब्द संख्या: 4672, तिथि: 15 जून 2020

900. सुचिता- चारि : शब्द संख्या: 4022, तिथि: 02 जुलाई 2020

901. सुचिता- पाँच : शब्द संख्या: 2757, तिथि: 08 जुलाई 2020

902. सुचिता- छह : शब्द संख्या: 3188, तिथि: 14 जुलाई 2020

903. सुचिता- सात : शब्द संख्या: 4483, तिथि: 24 जुलाई 2020

904. सीमावद्ध जीवन- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 01 अगस्त 2020

905. कर्ताक रंग कर्मक संग- शब्द संख्या: 2757, तिथि: 06 अगस्त 2020

906. जिनगीक हिसाब- शब्द संख्या: 2711, तिथि: 11 अगस्त 2020

907. अपना जनैत- शब्द संख्या: 2881, तिथि: 16 अगस्त 2020

908. सुदृढ़ जिनगी- शब्द संख्या: 3460, तिथि: 23 अगस्त 2020

908. मुराम जगह- शब्द संख्या: 3575, तिथि: 31 अगस्त 2020

909. गामक सूरत बदैल गेल : शब्द संख्या: 3340, तिथि: 07 सितम्बर 2020

910. दोसर रस्ता नहि- शब्द संख्या: 2808, तिथि: 13 सितम्बर 2020

911. विचारधाराक भथान- शब्द संख्या: 2659, तिथि: 19 सितम्बर 2020

912. परिवार बिलैट गेल- शब्द संख्या: 3132, तिथि: 26 सितम्बर 2020

913. अनचोकक इजोत- शब्द संख्या: 3339, तिथि: 03 अक्टूबर 2020

914. केलहा सभ पानिमे गेल- शब्द संख्या: 3199, तिथि: 09 अक्टूबर 2020

915. पएर तरक धरती डोलि गेल- शब्द संख्या: 2346, तिथि: 15 अक्टूबर 2020

916. जबुरिया कागज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 22 अक्टूबर 2020

917. बेटाक बिआह- शब्द संख्या: 3734, तिथि: 30 अक्टूबर 2020

918. जीवनमे जान आएल- शब्द संख्या: 3325, तिथि: 06 नवम्बर 2020

919. पोसलाक फल- शब्द संख्या: 3039, तिथि: 12 नवम्बर 2020

920. अन्तिम परीक्षा- शब्द संख्या: 2933, तिथि: 18 नवम्बर 2020

921. गाम आब ओ गाम रहल! - शब्द संख्या: 3038, तिथि: 24 नवम्बर 2020

922. जिनकर जीत तिनकर माला- शब्द सं.: 3025, तिथि: 30 नवम्बर 2020

923. नवका लोक : शब्द संख्या- 3215, तिथि: 06 दिसम्बर 2020

924. काजक उत्तर काज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 12 दिसम्बर 2020

925. घरक खर्च- शब्द संख्या: 3731, तिथि: 19 दिसम्बर 2020

926. समाजक भागे- शब्द संख्या: 3338, तिथि: 25 दिसम्बर 2020

927. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक- शब्द संख्या: 4091, तिथि: 02 जनवरी 2021

928. परिवारक विघटन- शब्द संख्या: 2143, तिथि: 07 जनवरी 2021

929. हारल विचार- शब्द संख्या: 3657, तिथि: 14 जनवरी 2021

930. मोड़पर- एक : शब्द संख्या: 4422, तिथि: 25 जनवरी 2021

931. मोड़पर- दू : शब्द संख्या: 3734, तिथि: 01 फरवरी 2021

932. मोड़पर- तीन : शब्द संख्या: 3157, तिथि: 08 फरवरी 2021

933. मोड़पर- चारि : शब्द संख्या: 4844, तिथि: 19 फरवरी 2021

934. मोड़पर- पाँच : शब्द संख्या: 6382, तिथि: 06 मार्च 2021

935. मोड़पर- छह : शब्द संख्या: 2150, तिथि: 10 मार्च 2021

936. मोड़पर- सात : शब्द संख्या: 788, तिथि: 11 मार्च 2021

937. मोड़पर- आठ : शब्द संख्या: 927, तिथि: 12 मार्च 2021

938. मोड़पर- नअ : शब्द संख्या: 1127, तिथि: 14 मार्च 2021

939. मोड़पर- दस : शब्द संख्या: 585, तिथि: 15 मार्च 2021

940. मोड़पर- एगारह : शब्द संख्या: 265, तिथि: 16 मार्च 2021

941. संकल्प- एक : शब्द संख्या: 2988, तिथि: 25 मार्च 2021

942. संकल्प- दू : शब्द संख्या: 1903, तिथि: 29 मार्च 2021

943. संकल्प- तीन : शब्द संख्या: 3101, तिथि: 04 अप्रैल 2021

944. संकल्प- चारि : शब्द संख्या: 3197, तिथि: 10 अप्रैल 2021

945. संकल्प- पाँच : शब्द संख्या: 3202, तिथि: 17 अप्रैल 2021

946. संकल्प- छह : शब्द संख्या: 2026, तिथि: 21 अप्रैल 2021

947. संकल्प- सात : शब्द संख्या: 3139, तिथि: 29 अप्रैल 2021

948. संकल्प- आठ : शब्द संख्या: 2440, तिथि: 04 मई 2021

949. संकल्प- नअ : शब्द संख्या: 2368, तिथि: 08 मई 2021

950. संकल्प- दस : शब्द संख्या: 3977, तिथि: 15 मई 2021

951. अन्तिम क्षण- एक : शब्द संख्या: 2874, तिथि: 20 मई 2021

952. अन्तिम क्षण- दू : शब्द संख्या: 6126, तिथि: 04 जून 2021

953. अन्तिम क्षण- तीन : शब्द संख्या: 3669, तिथि: 12 जून 2021

954. अन्तिम क्षण- चारि : शब्द संख्या: 5817, तिथि: 24 जून 2021

955. अन्तिम क्षण- पाँच : शब्द संख्या: 4916, तिथि: 04 जुलाई 2021

956. परिवारे गजपटा गेल : शब्द संख्या: 1881, तिथि: 09 जुलाई 2021

957. समयक थपेड़मे- शब्द संख्या: 1798, तिथि: 14 जुलाई 2021

958. की सत्त की फुइस?- शब्द संख्या: 1793, तिथि: 17 जुलाई 2021

959. कुभाँज समयक भाँजमे- शब्द संख्या: 1671, तिथि: 21 जुलाई 2021

960. देखल गाम- शब्द संख्या: 1737, तिथि: 25 जुलाई 2021

961. अपना ले- शब्द संख्या: 1903, तिथि: 03 अगस्त 2021

962. तीन धक्का- शब्द संख्या: 1759, तिथि: 06 अगस्त 2021

963. अजीब खेल- शब्द संख्या: 2362, तिथि: 20 अगस्त 2021

964. नीक ठकान ठकेलौं- शब्द संख्या: 2798, तिथि: 25 अगस्त 2021

965. केकरो भरोस- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 31 अगस्त 2021

966. बाड़ी भेल धनहर- शब्द संख्या: 1820, तिथि: 04 सितम्बर 2021

967. कुण्ठा- एक : शब्द संख्या: 2284, तिथि: 15 सितम्बर 2021

968. कुण्ठा- दू : शब्द संख्या: 2150, तिथि: 23 सितम्बर 2021

969. कुण्ठा- तीन : शब्द संख्या: 1324, तिथि: 29 सितम्बर 2021

970. कुण्ठा- चारि : शब्द संख्या: 4458, तिथि: 10 अक्टूबर 2021

971. कुण्ठा- पाँच : शब्द संख्या: 2673, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

972. कुण्ठा- छह : शब्द संख्या: 2852, तिथि: 24 अक्टूबर 2021

973. कुण्ठा- सात : शब्द संख्या: 1901, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

974. कुण्ठा- आठ : शब्द संख्या: 1948, तिथि: 01 नवम्बर 2021

975. कुण्ठा- नअ : शब्द संख्या: 1901, तिथि: 05 नवम्बर 2021

976. कुण्ठा- दस : शब्द संख्या: 2022, तिथि: 09 नवम्बर 2021

977. सुदृढ़ जीवन- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 14 नवम्बर 2021

978. सागवानक बागवानी- शब्द संख्या: 2369, तिथि: 05 दिसम्बर 2021

979. बिनु खुट्टाक गाए- शब्द संख्या: 2191, तिथि: 10 दिसम्बर 2021

980. जीवनक कर्म जीवनक मर्म- शब्द संख्या: 2893, तिथि: 16 दिसम्बर 2021

981. घरैया मूस- शब्द संख्या: 2791, तिथि: 22 दिसम्बर 2021

982. टुटि कऽ खसि पड़लैन- शब्द संख्या: 2182, तिथि: 29 दिसम्बर 2021

983. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा- शब्द सं.: 2294, ति. : 03 जनवरी 2022

984. संचरण- शब्द संख्या: 2477, तिथि: 08 जनवरी 2022

985. जिनगीसँ प्रेम- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 14 जनवरी 2022

986. परिवारे बगैद गेल- शब्द संख्या: 2299, तिथि: 21 फरवरी 2022

987. जिनगी पिछैड़ गेल- शब्द संख्या: 2859, तिथि: 02 मार्च 2022

988. श्रमहीन- शब्द संख्या: 3105, तिथि: 08 मार्च 2022

989. समुद्रलंघन- शब्द संख्या: 3274, तिथि: 21 मार्च 2022

990. परिवारक भार- शब्द संख्या: 2402, तिथि: 28 मार्च 2022

991. हीन-हीनाइत विवेक- शब्द संख्या: 2347, तिथि: 02 अप्रैल 2022

992. चेहराक निखार- शब्द संख्या: 2496, तिथि: 06 अप्रैल 2022

993. भरि मन काज- शब्द संख्या: 2281, तिथि: 12 अप्रैल 2022

994. विचारे मरि गेल- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 21 अप्रैल 2022

995. मृत्युक भय मेटा गेल- शब्द संख्या: 2536, तिथि: 26 अप्रैल 2022

996. घरक बात- शब्द संख्या: 2686, तिथि: 01 मई (मजदूर दिवस) 2022

997. अप्पन दलान- शब्द संख्या: 2480, तिथि: 06 मई 2022

998. कंजूसपन- शब्द संख्या: 2589, तिथि: 11 मई 2022

999. आएल आशा चलि गेल- शब्द संख्या: 1478, तिथि: 15 मई 2022

1000. अकारण- शब्द संख्या: 1918, तिथि: 18 मई 2022

1001. अछोप- शब्द संख्या: 1590, तिथि: 21 मई 2022

1002. अप्पन बेइमानी- शब्द संख्या: 1560, तिथि: 24 मई 2022

1003. उनटन- शब्द संख्या: 1581, तिथि: 24 मई 2022

1004. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 30 मई 2022

995. बहवाँइर- शब्द संख्या: 1538, तिथि: 04 जून 2022

1006. पाक मास्टर- शब्द संख्या: 1387, तिथि: 07 जून 2022

1007. साइंस टीचर- शब्द संख्या: 1301, तिथि: 10 जून 2022

1008. इज्जत लऽ लेलक- शब्द संख्या: 1367, तिथि: 13 जून 2022

1009. निसगर पान- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 15 जून 2022

1010. विरोध- शब्द संख्या: 1452, तिथि: 19 जून 2022

1011. जीवन दान- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 26 जून 2022

1012. बाग-बगिया- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 30 जून 2022

1013. विश्वास पात्र- शब्द संख्या: 1374, तिथि: 02 जुलाई 2022

1014. विचारक टिटकारी- शब्द संख्या: 1335, तिथि: 05 जुलाई 2022

1015. लत- शब्द संख्या: 1375, तिथि: 08 जुलाई 2022

1016. जीवन खटाइमे पड़ि गेल- शब्द संख्या: 1220, तिथि: 11 जुलाई 2022

1017. कर्ज- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 13 जुलाई 2022

1018. बहादुरी- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 16 जुलाई 2022

1019. हमरो खगता छै- शब्द संख्या: 1178, तिथि: 20 जुलाई 2022

1020. सपना- शब्द संख्या: 1241, तिथि: 23 जुलाई 2022

1021. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी- श.: 1303, 26.7.2022

1022. उवाणि- शब्द संख्या: 1264, तिथि: 29 जुलाई 2022

1023. विचारक प्रबलता- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 01 अगस्त 2022

1024. अपन रचित रचना- शब्द संख्या: 1481, तिथि: 07 अगस्त 2022

1025. थाहल संगी- शब्द संख्या: 1331, तिथि: 10 अगस्त 2022

1026. आत्मबल- शब्द संख्या: 1267, तिथि: 13 अगस्त 2022

1027. विश्वासहीन- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 16 अगस्त 2022

1028. बुलन्दी- शब्द संख्या: 1329, तिथि: 19 अगस्त 2022

1029. अप्पन साती- शब्द संख्या: 1287, तिथि: 22 अगस्त 2022

1030. खिच्चड़ि- शब्द संख्या: 1624, तिथि: 26 अगस्त 2022

1031. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1364, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1032. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1357, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1033. कनियैँ-मनियैँ पूँजी- शब्द संख्या: 1315, तिथि: शिक्षक दिवस 2022

1034. पुरुखढौह- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 08 सितम्बर 2022

1035. सिमानक झगड़ा- शब्द संख्या: 1232, तिथि: 13 सितम्बर 2022

1036. जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1312, तिथि: 16 सितम्बर 2022

1037. परिवारक योग- शब्द संख्या: 1295, तिथि: 19 सितम्बर 2022

1038. मनुक्ख खौक- शब्द संख्या: 1183, तिथि: 25 सितम्बर 2022

1039. साहित्यकारक विवेक- शब्द संख्या: 1141, तिथि: 28 सितम्बर 2022

1040. भाषाक बेथा- शब्द संख्या: 1231, तिथि: 01 अक्टूबर 2022

1041. बुझबे ने केलिऐ- शब्द संख्या: 1227, तिथि: 05 अक्टूबर 2022

1042. जीवनक सम्बन्ध- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 08 अक्टूबर 2022

1043. गैंचाह लोक- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 11 अक्टूबर 2022

1044. जिनगीकैँ पटैक भगलौं- शब्द संख्या: 1258, तिथि: 14 अक्टूबर 2022

1045. अन्तिम आशा- शब्द संख्या: 1365, तिथि: 17 अक्टूबर 2022

1046. गजपट मारि- शब्द संख्या: 1327, तिथि: 20 अक्टूबर 2022

1047. कन्हजोड़- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 23 अक्टूबर 2022

1048. अनहोनी- शब्द संख्या: 1308, तिथि: 26 अक्टूबर 2022

1049. होनी- शब्द संख्या: 1236, तिथि: 29 अक्टूबर 2022

1050. भवितव्य- शब्द संख्या: 1130, तिथि: 02 नवम्बर 2022

1051. ओसचट बीमारी : शब्द संख्या: 1260, तिथि: 05 नवम्बर 2022

1052. पुत्र परीक्षा : शब्द संख्या: 1286, तिथि: 09 नवम्बर 2022

1053. अप्पन मन बुझाएब- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 12 नवम्बर 2022

1054. जड़ौर- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 15 नवम्बर 2022

1055. अलोपित- शब्द संख्या: 1360, तिथि: 18 नवम्बर 2022

1046. कुमहरक बतिया- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 21 नवम्बर 2022

1057. सिमानक आड़ि- शब्द संख्या: 1289, तिथि: 26 नवम्बर 2022

1058. नब बनक नब फल- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 30 नवम्बर 2022

1059. सुमारक- शब्द संख्या: 1246, तिथि: 04 दिसम्बर 2022

1060. अन्तिम भेँट- शब्द संख्या: 1277, तिथि: 08 दिसम्बर 2022

1061. अनहरिया- शब्द संख्या: 1356, तिथि: 12 दिसम्बर 2022

1062. निरन्तर- शब्द संख्या: 3025, तिथि: 21 दिसम्बर 2022

1063. शॉर्टकट रास्ता- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 26 दिसम्बर 2022

1064. अपेछा टुटि गेल- शब्द संख्या: 1739, तिथि: 30 दिसम्बर 2022

1065. सुनयना बेटी : 01- शब्द संख्या: 1728, तिथि: 05 जनवरी 2023

1066. सुनयना बेटी : 02- शब्द संख्या: 3540, तिथि: 14 जनवरी 2023

1067. सुनयना बेटी : 03- शब्द संख्या: 3722, तिथि: 25 जनवरी 2023

1068. सुनयना बेटी : 04- शब्द संख्या: 1987, तिथि: 30 जनवरी 2023

1069. सुनयना बेटी : 05- शब्द संख्या: 3802, तिथि: 06 फरवरी 2023

1070. सुनयना बेटी : 06- शब्द संख्या: 1821, तिथि: 10 फरवरी 2023

1071. सुनयना बेटी : 07- शब्द संख्या: 925, तिथि: 12 फरवरी 2023

1072. सुनयना बेटी : 08- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 18 फरवरी 2023

1073. सुनयना बेटी : 19- शब्द संख्या: 1926, तिथि: 22 फरवरी 2023

1074. सुनयना बेटी : 10- शब्द संख्या: 1953, तिथि: 26 फरवरी 2023

1075. आब नइ जीब- शब्द संख्या: 2097, तिथि: 2 मार्च 2023

1076. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल- शब्द संख्या: 2013, तिथि: 06 मार्च 2023

1077. धुरफन्ना लोक- शब्द संख्या: 1891, तिथि: 10 मार्च 2023

1078. घरदेखी- शब्द संख्या: 1846, तिथि: 14 मार्च 2023

1079. बासभूमि- शब्द संख्या: 2639, तिथि: 31 मार्च 2023

1080. इज्जत पर पड़ि गेल- शब्द संख्या: 2698, तिथि: 07 अप्रैल 2023

1081. अहीं जीतलौं- शब्द संख्या: 2884, तिथि: 13 अप्रैल 2023

1082. गामसँ गाए उपैट गेल- शब्द संख्या: 2454, तिथि: 20 अप्रैल 2023

1083. भारक बड़बड़िया- शब्द संख्या: 1727, तिथि: 24 अप्रैल 2023

1084. रूपैँ बदैल गेल- शब्द संख्या: 1736, तिथि: 28 अप्रैल 2023

1085. वंशक धर्म- शब्द संख्या: 1881, तिथि: 02 मई 2023

1086. उपराग- शब्द संख्या: 1358, तिथि: 05 मई 2023

1087. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ- शब्द संख्या: 1390, तिथि: 08 मई 2023

1088. खीरा लत्तीमे रोजगार- शब्द संख्या: 1377, तिथि: 11 मई 2023

1089. टकुआटान- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 19 मई 2023

1090. पोस्टमार्टम- शब्द संख्या: 1852, तिथि: 23 मई 2023

1091. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल- शब्द संख्या: 1761, तिथि: 27 मई 2023

1092. सामंजस्य- शब्द संख्या: 1868, तिथि: 01 जून 2023

1093. महींसवारक गाम- शब्द संख्या: 1337, तिथि: 04 जून 2023

1094. दसअना छहअना- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 07 जून 2023

1095. वाह रे हम- शब्द संख्या: 1291, तिथि: 10 जून 2023

1096. एक जूम तमाकुल- शब्द संख्या: 1290, तिथि: 13 जून 2023

1097. चपरासी गाम- शब्द संख्या: 1201, तिथि: 17 जून 2023

1098. बनरफाँस- शब्द संख्या: 1279, तिथि: 19 जून 2023

1099. हँस्सा ठक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 26 जून 2023

1100. विश्वासू मन- शब्द संख्या: 1724, तिथि: 30 जून 2023

1101. चोरनी पिल्ली- शब्द संख्या: 1883, तिथि: 04 जुलाई 2023

1102. गामक जमीने पथरा गेल- शब्द संख्या: 1837, तिथि: 08 जुलाई 2023

1103. एकलव्यपन- शब्द संख्या: 2087, तिथि: 14 जुलाई 2023

1104. केलहा साफल- शब्द संख्या: 2102, तिथि: 19 जुलाई 2023

1105. त्रिशुलपर लटकल गाम- शब्द संख्या: 2007, तिथि: 23 जुलाई 2023
1106. त्रिशंकु गाम- शब्द संख्या: 2151, तिथि: 28 जुलाई 2023
1107. चारिम कनियाँ- शब्द संख्या: 1995, तिथि: 01 अगस्त 2023
1108. वंश नाश- शब्द संख्या: 1988, तिथि: 06 अगस्त 2023
1109. लोक लाज- शब्द संख्या: 1781, तिथि : 10 अगस्त 2023
1110. धानक कमठौन- शब्द संख्या: 1580, तिथि : 30 अगस्त 2023
1111. एक चुटकी खुशी- शब्द संख्या: 2053, तिथि : 02 सितम्बर 2023
1112. अनका सिर- शब्द संख्या: 1801, तिथि: शिक्षक दिसव 2023
1113. समयक फेड़- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 08 सितम्बर 2023
1114. कोढ़ि- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 11 सितम्बर 2023
1115. मुहाँ-ठुट्ठी- शब्द संख्या: 1167, तिथि: 13 सितम्बर 2023
1116. औनाकऽ मरए लगलौं- शब्द संख्या: 1060, तिथि: 13 सितम्बर 2023
1117. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि- शब्द संख्या: 1077, तिथि: 17 सितम्बर 2023
1118. चौरचनक केरा- शब्द संख्या: 1185, तिथि: 19 सितम्बर 2023
1119. सुख-दुख- शब्द संख्या: 1708, तिथि: 04 अक्टूबर 2023
1120. दुख-सुख- शब्द संख्या: 1629, तिथि: 07 अक्टूबर 2023
1121. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की- श. सं.: 1571, ति.: 10 अक्टूबर 2023
1122. अंधविश्वास- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 13 अक्टूबर 2023
1123. बखेरिया लोक- शब्द संख्या: 1528, तिथि: 16 अक्टूबर 2023
1124. नव जीवन- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 19 अक्टूबर 2023
1125. प्रीति- शब्द संख्या: 1610, तिथि: 19 अक्टूबर 2023
1126. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 25 अक्टूबर 2023
1127. मन टँगि गेल- शब्द संख्या: 1702, तिथि: 28 अक्टूबर 2023
1128. नियति आ पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1714, तिथि: 31 अक्टूबर 2023
1129. जे ननू से गर्भहि ननू- शब्द संख्या: 1639, तिथि: 03 नवम्बर 2023
1130. पुरुखक डीह- शब्द संख्या: 1666, तिथि: 06 नवम्बर 2023

1131. पाशापर- शब्द संख्या: 1707, तिथि: 09 नवम्बर 2023

1132. संचरण- शब्द संख्या: 1743, तिथि: 14 नवम्बर 2023

1133. कंजूस- शब्द संख्या: 1636, तिथि: 17 नवम्बर 2023

1134. बाबाक पौती- शब्द संख्या: 1640, तिथि: 20 नवम्बर 2023

1135. भँसिया गेलौं- शब्द संख्या: 1614, तिथि: 23 नवम्बर 2023

1136. उबारि देलौं- शब्द संख्या: 1645, तिथि: 28 नवम्बर 2023

1137. श्रद्धा- शब्द संख्या: 1619, तिथि: 01 दिसम्बर 2023

1138. केकरोपर आश्रित- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 04 दिसम्बर 2023

1139. समैया लुच्चा- जारी...



जगदीश प्रसाद मण्डलजीक प्रकाशित पोथीक लोकार्पण विवरण

1. गामक जिनगी: (कथा संग्रह- 2009), लोकार्पण- डॉ. कमला चौधरी
2. मौलाइल गाछक फूल: (उपन्यास- 2009), लोकार्पण- डॉ. रामवतार यादव
3. उत्थान-पतन: (उपन्यास- 2009), लोकार्पण- डॉ. वीणा ठाकुर
4. जिनगीक जीत: (उपन्यास- 2009), लोकार्पण- डॉ. मोहन मिश्र
5. मिथिलाक बेटी: (नाटक- 2009), लोकार्पण- डॉ. राजेन्द्र विमल
6. तरेगन: (प्रेरक कथा संकलन- 2010), लोकार्पण- डॉ. रमानन्द झा 'रमण'
7. जीवन-मरण: (उपन्यास- 2010), लोकार्पण- कुमार रामेश्वर लाल दास
8. जीवन संघर्ष: (उपन्यास- 2010), लोकार्पण- कथाकार अशोक (श्री अशोक कुमार झा)
9. बजन्ता-बुझन्ता: (बीहैन कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री अरूण कु. सिंह SDO
10. शंभुदास: (दीर्घ कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- सदरे आलम 'गोहर'
11. उलबा चाउर: (कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री विनोद कुमार साह
12. अर्द्धांगिनी: (कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री दुर्गानन्द मण्डल
13. सतभैंया पोखैर: (कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- प्रो. जय प्रकाश साह
14. भकमोड़: (कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री नन्द विलास राय
15. नै धाड़ैए: (उपन्यास- 2013), लोकार्पण- श्री गुरुदयाल भ्रमर
16. बड़की बहिन: (उपन्यास- 2013), लोकार्पण- श्री शारदानन्द सिंह
17. इन्द्रधनुषी अकास: (काव्य संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री रामलखन यादव
18. तीन जेठ एगारहम माघ: (गीत संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री चन्दन कुमार झा
19. राति-दिन: (काव्य संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री रामजी प्रसाद मण्डल
20. सरिता: (काव्य संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री बालमुकुन्द पाठक
21. गीतांजलि: (पद्य संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री अमित मिश्र

22. सुखाएल पोखरिक जाइठ: (काव्य संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री बिपीन कुमार कर्ण
23. कम्प्रोमाइज: (नाटक- 2013), लोकार्पण- श्री रामप्रवेश मण्डल
24. झमेलिया बिआह: (नाटक- 2013), लोकार्पण- श्री वीरेन्द कुमार यादव
25. रत्नाकर डकैत: (नाटक- 2013), लोकार्पण- श्री कीशलय कृष्ण
26. स्वयंवर: (नाटक- 2013), लोकार्पण- श्री शम्भु सौरभ
27. पंचवटी: (एकांकी संचयन- 2013), लोकार्पण- श्री राजदेव मण्डल
28. गामक शकल-सूरत: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री ओम प्रकाश झा
29. लजबिजी: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री श्यामानन्द चौधरी
30. समरथाइक भूत: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री राम विलास साहु
31. अप्पन-बीरान: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री सच्चिदानन्द 'सचिद'
32. बाल गोपाल: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री राम कुमार मण्डल
33. रटनी खढ़: (दीर्घ कथा संग्रह) 2014), लोकार्पण- श्री फागुलाल साहु
34. पतझाड़: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- उमेश नारायण कर्ण 'कल्पकवि'
35. गढ़ैनगर हाथ: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री कपिलेश्वर राउत
36. अपन मन अपन धन: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. केष्कर ठाकुर
37. उकडू समय: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. प्रेम शंकर सिंह
38. मधुमाछी: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'
39. पसेनाक धरम: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. खुशीलाल मण्डल
40. गुड़ा-खुद्दीक रोटी: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. दुर्गा प्रसाद साह
41. फलहार: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. राम अशीष सिंह
42. खसैत गाछ: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. भीम नाथ झा
43. ठूठ गाछ: (उपन्यास- 2015), लोकार्पण- श्री कमलेश झा
44. कल्याणी: (एकांकी- 2015), लोकार्पण- श्रीमती आशा देवी
45. सतमाए: (एकांकी- 2015), लोकार्पण- श्री मदन प्रसाद साहु
46. समझौता: (एकांकी- 2015), लोकार्पण- श्री मनोज कुमार साहु
47. तामक तमघैल: (एकांकी- 2015), लोकार्पण- श्री हेम नारायण साहु
48. बीरांगना: (एकांकी- 2015), लोकार्पण- श्री राजा राम यादव

49. एगच्छा आमक गाछ: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- श्री अमर नाथ झा
50. शुभचिन्तक: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- श्री लक्ष्मी नारायण सिंह
51. गाछपर सँ खसला: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- डॉ. शिव कुमार प्रसाद
52. डभियाएल गाम: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- श्री राजदेव मण्डल
53. गुलेती दास: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- डॉ. योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'
54. मुड़ियाएल घर: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- श्री रघुवीर मोची
55. बीरांगना: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्री नारायण यादव
56. स्मृति शेष: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्री राम विलास साहु
57. बेटीक पैरुख: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्रीमती मुन्नी कामत
58. क्रान्तियोग: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्री दुर्गानन्द मण्डल
59. त्रिकालदर्शी: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्री राम लषण राम 'रमण'
60. पैंतीस साल पछुआ गेलौं: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्री तुरन्त लाल मण्डल
61. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं: (उपन्यास- 2017), लोकार्पण- ई. कमलाकान्त भारती
62. दोहरी हाक: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- श्री राम विलास साहु
63. सुभिमानी जिनगी: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- डॉ. शिव कुमार प्रसाद
64. देखल दिन: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- श्री महावीर प्रसाद
65. गपक पियाहुल लोक: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- श्री चण्डेश्वर खाँ
66. दिवालीक दीप: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- श्री नीरज नारयण पाण्डेय SDO
67. अप्पन गाम: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- डॉ. शिव शंकर श्रीनिवास
68. लहसन: (उपन्यास- 2018), लोकार्पण- डॉ. कमलकान्त झा
69. पंगु: (उपन्यास- 2018), लोकार्पण- श्री अरविन्द ठाकुर
70. आमक गाछी: (उपन्यास- 2018), लोकार्पण- डॉ सुरेन्द्र कुमार सिंह
71. सतबेध: (गीत संग्रह- 2018), लोकार्पण- श्री प्रीतम कुमार 'निषाद'
72. खिलतोड़ भूमि: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री कृष्ण कान्त झा
73. चितवनक शिकार: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री जय प्रकाश मण्डल
74. चौरस खेतक चौरस उपज: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री जय प्रकाश मण्डल
75. समयसँ पहिने चेत किसान: (कथा संग्रह- 2019), लो.- डॉ. योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'

76. भौक: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री राम विलास साहु
77. गामक आशा टुटि गेल: (कथा संग्रह- 19), लो.- श्री उमेश नारायण कर्ण 'कल्पकवि'
78. पसेनाक मोल: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री लक्ष्मेश्वर राय (विधायक)
79. चुनौती: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री नारायण यादव
80. रहसा चौरी: (गीत संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री शारदानन्द सिंह
81. कृषियोग: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- श्री शैलेन्द्र आनन्द
82. हारल चेहरा जीतल रूप: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- प्रो. उषा चौधरी
83. रहै जोकर परिवार: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- पं. शशिनाथ झा (कुलपति)
84. कामधेनु: (गीत संग्रह- 2020), लोकार्पण- प्रो. धीरेन्द्र कुमार
85. मन मथन: (गीत संग्रह- 2020), लोकार्पण- श्री रामजी प्रसाद मण्डल
86. अकास गंगा: (गीत संग्रह- 2020), लोकार्पण- श्री राम विलास साहु
87. सुचिता: (उपन्यास) 2020), लोकार्पण- डॉ. अशोक अविचल
88. कर्ताक रंग कर्मक संग: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- डॉ. योगानन्द झा
89. गामक सूरत बदैल गेल: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- श्री अरविन्द प्रसाद
90. अन्तिम परीक्षा: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- डॉ. शिव कुमार प्रसाद
91. घरक खर्च: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- प्रो. विद्यानाथ झा
92. मोड़पर: (उपन्यास- 2021), लोकार्पण- प्रो. शंकर झा
93. संकल्प: (उपन्यास- 2021), लोकार्पण- श्री राम कृष्ण परार्थी
94. अन्तिम क्षण: (उपन्यास- 2021), लोकार्पण- श्री अरविन्द प्रसाद
95. नीक ठकान ठकेलौं: (कथा संग्रह- 2021), लोकार्पण- डॉ. ज्वालानाथ तेज
96. कुण्ठा: (उपन्यास- 2021), लोकार्पण- श्री अशोक
97. पयस्विनी: (निबन्ध-प्रबन्ध- 2021), लोकार्पण- श्री अरविन्द ठाकुर
98. जीवनक कर्म जीवनक मर्म (कथा संग्रह- 2021), लोकार्पण- डॉ. शिवशंकर श्रीनिवास
99. संचरण: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- डॉ. योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'
100. भरि मन काज: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- ई. शैलैन्द्र मण्डल
101. आएल आशा चलि गेल: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- श्रीमती शीला मण्डल
102. जीवन दान: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- श्री विनोद कुमार साह

103. अप्पन साती: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- श्री शारदा नन्द सिंह

104. साहित्यकारक विवेक: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- डॉ. विभूती आनन्द

105. नब बनक नब फल: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- श्री हीरेन्द्र कुमार झा

106. सुनयना बेटी: (उपन्यास- 2023), लोकार्पण- डॉ. कमल कान्त झा

107. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल: (कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- डॉ. धनाकर ठाकुर

108. बासभूमि: (कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- डॉ. महेन्द्र नारायण राम

109. टकुआटान: (कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- श्री राम नरेश यादव

110. एकलव्यपन: (कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- श्री चन्द्रेश

111. एक चुटकी खुशी: (कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- श्री झौली पासवान

112. नियति आ पुरुषार्थ: (बाल कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- शीघ्र..

113. श्रद्धा: (बाल कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- शीघ्र..

❑❑❑

❑❑

❑

Notes